□□□□ □□□□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्र□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख□□ : 4344
19 □□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□□प्रश्□ □□ □त□□

□□□ □□ प्र□□□□ प्र□□□

4344. श्री □□□□□□□ □□□□□

श्री □□□□□ श्रीनिवासुलू रेड्डीः

क□□ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री □□ □□□□□ो □□□ □□□□ि□□

(□) क्या सरकार को भारत म नई श्रेणी को □□□□□-□□□□ □□□□□ों (□□□□□□□□-2 □□□□□□ों) □□ □□□□□ □□□□ □□□ □प्र□□□□ प्र□□□ □□□□ि□□□□ो □□□□□□□ □□;

(□) □ि□ □□, □□ □त□□□□ ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कारवाई को गई है;

(□) क□□ □□□□□□ □□□ □□□त्र□ □□□□□□ म इस दवा के विपणन को अनुमति दी है और यदि □□,□□ □त□□□□ ब्यौरा क्या है;

(□) क्या मंत्रालय के पास देश म उपयोग को जा रही इन दवाइयों और तमिलनाडु म पता □□□□□□□ प्रतिकूल प्रभावों का कोई ब्यौरा है और यदि □□,□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □;□□□

(□) □□ □□□□ म लाखों लोगों म जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए □□ □?

<u>□त□□</u>

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्री (श्री □□श्वि□□ □□□□ □□□)□

(□) □□ (□): □□ □□,□द्री□ □□□□ □□□□ □□□त्र□ □□□□ (□□□□□□□□□) □□ □□क्रि□□□ □□□ (□क□□ □□ क्रे□□□□) □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □क्ष□ □□□क्ष□ (□□□□□□) □□□□□ □ □□□ □□□□□□-ग□□□□ □□-ट्रांसपोटर 2 (एसजीएलटी 2) इन□□□□□□ □□□ि□□ □□□□□□□□□ □□ल□□ □□ □ल□ □□□□□ के पत्राचार के बारे म संबंधित कंपनी द्वारा अधिसूचित किया गया था□

□□□□□ो □□द्य □□ □□□□ प्र□□□□ (□□□□□□□□□) □□अपने औषधि सुरक्षा पत्राचारों (□□□□□□) □ □□□□□ □ि□ □□□□□□□□2 □□□□□□ं □□प्र□□□ □□□□□□ जननांगों और जननांगों के आसपास के क्षेत्रों के □□□□□□□न□□□□□ □क्र□□ □□□□ो □ि□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □क्र□□ □□□□□ि□□□□□ □□ □क्रे□ि□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □,फोरनियर गगरीन के रूप म भी जाना जाता □□□□□□□□□□□ □□ □□□□ं □□ □□□□□□□खतरे के बारे म नई चेतावानियां शामिल करने के लिए एसजीएलटी2 अवरोधकों के लेबलों को संशोधित किया है।

इस मुद्दे को जांच □□□□ □□□□ज्ञ □□□□□ (□□□□□) □□□□□□□ □□□□हु□ □ो □□ □□□□ □□□□ □□ फामाकोविजिलस कायक्रम □□□□□ □□□□ब □□□□ को भी प्राप्त □ि□□ □□□ □□

□□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□ □□ज□ औषधि नियंत्रकों से अनुरोध किया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार म □□□□□□,एसजीएलटी2 अवरोधक श्रेणी को दवाओं जैसे कि □□□ग□□फ□□□□, □□□ग□□फ□□□□, □म□□ग□□फ□□□□ □ि□ □□विनिमाताओं को निदेश द कि वे □□ □□□ओं □□पैकेज के अंत:पत्र और विज्ञापन □□□□त□ म निम्न□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□:

□□□□□- डायबिटीज टाइप2 को इस श्रेणी को दवाओं □□□□ □□□□□□-ग□क्लोज कोट्रांसपोटर -2 (□□□□□□□□2) अवरोधकों के प्रयोग के कारण जननांगों और जननांगों के आसपास के क्षेत्रों के विरले परन्तु □□□□ □क्र□□ के मामलों को रिपोट मिली ह। यह गंभीर विरला संक्रमण जिसे पेरिनियम का नेक्रोटाजिग □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □,फोरनियर गगरीन के रूप म भी जाना जाता है।

(□): □□□□□□□□□ □□□म□□□□□□ □□□□□□□□2 अवरोधकों: कैनाग्लीफ□□□□□, □□□ग□□फ□□□□, □म□□ग□□फ□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ग□□फ□□□□ + □□□□ि□□, □□□ग□□फ□□□□ + □□□□ि□□ □म□□ग□□फ□□□□+मेटफोर्मिन और एम्पाग□□फ□□□□ + □□□□ग□□□ि□□ के आयात/माकट फामूलेशन तथा □ि□□ग□□फ□□□□ □□□□□□□□□/□□□□□ □ो □□□□□ □□□ □□

(□) □□□(□): फामाकोविजिलस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के तहत तमिलनाडु से सूचित □□□□□□□□-2 □□□□□□□□ □□□□□ □ प्रतिकूल प्रभावों का विवरण अनुलग्न□ □□□□□□ □□

जैसा कि ऊपर उल्ले□ □ि□□ □□□ □,इन दवाओं के पैकेज इंसट और प्रोमोशनल लिटरेचर म उपयुक्त चेतावनी शामिल करने के लिए सभी राज्य ड्रग कंट्रोलरों से एसजीएलटी 2 इनहिबिटर क्लास ड्रग्स के विनिमाताओं □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □ि□□ □□□ □□

[illegible]

क्र.[illegible]	[illegible]-2 [illegible]	[illegible]	प्रतिकूल प्रभाव
1	[illegible]	3	• [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible]
2	[illegible]	9	• [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • मूत्र पथ के संक्रमण • [illegible] • [illegible] • ग्लोमेरुलर निस्पंदन दर म कमी आई • [illegible]
3	[illegible]	6	• [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible]